प्रश्न: प्रभु यीशु के आने से पहले जो मर चुके हैं, उनकी
मुक्ति कैसे होगी?

हम जानते हैं कि केवल यीशु के रक्त से ही पापों की सच्ची मुक्ति संभव है। तो फिर जो पुराने वाचा (क़ानून) के तहत रहते थे और यीशु के मरने से पहले इस संसार से चले गए, उनकी मुक्ति कैसे हुई? क्योंकि तब मसीह अभी मर नहीं गए थे और पापों को धोने वाला रक्त नहीं बहा था।

उत्तर: हाँ, मुक्ति केवल यीशु के रक्त से ही मिलती है!

लेकिन यह समझना जरूरी है कि नया वाचा पुराने वाचा को रद्द करने नहीं बल्कि उसे पूरा करने के लिए आया है, जैसा कि हमारे प्रभु यीशु ने स्वयं कहा:

मत्ती 5:17
“मुझ से मत सोचो कि मैं व्यवस्था या भविष्यद्वक्ताओं को
खत्म करने आया हूँ; मैं खत्म करने नहीं आया, बल्कि पूरा करने आया हूँ।”

इस बात को समझाने के लिए एक उदाहरण लेते हैं:

एक संस्था अपने विद्यार्थियों को कागजी प्रणाली से नामांकन करती थी। छात्र को नामांकन के लिए फॉर्म ऑफिस में जमा करना

प्रश्न: प्रभु यीशु के आने से पहले जो मर चुके हैं, उनकी
मुक्ति कैसे होगी?

पड़ता था। कुछ वर्षों बाद संस्था ने नामांकन का तरीका बदलकर इलेक्ट्रॉनिक कर दिया, जिससे छात्र घर बैठे इंटरनेट के जरिए आवेदन कर सके। नए छात्र केवल इसी नए सिस्टम से नामांकित होंगे।

तो सवाल यह है कि क्या पुराने विद्यार्थी जो कागजी प्रणाली से आए थे, अब मान्य छात्र नहीं रहेंगे? या जिनके प्रमाण पत्र पहले जारी हो चुके थे, वे अब अमान्य हो जाएंगे?

उत्तर: नहीं! पुराने छात्र वैध हैं, लेकिन नए छात्रों को नए सिस्टम से ही नामांकन कराना होगा, क्योंकि पुराना सिस्टम अब अमान्य हो चुका है।

ऐसा ही पुराने वाचा के साथ भी हुआ। वह एक पुराना तरीका था जिससे लोग परमेश्वर के करीब आते थे, लेकिन उसमें कई कमियां थीं। समय आने पर एक बेहतर, तेज़ और अधिक भरोसेमंद तरीका आया, वह है नया वाचा – यीशु मसीह के रक्त के माध्यम से। अब बकरी और बैल के रक्त का कोई प्रभाव नहीं रहा, जैसा लिखा है:

इब्रानियों 10:4
“क्योंकि बकरियों और बकरियों के रक्त से पाप दूर करना असंभव है।”

प्रश्न: प्रभु यीशु के आने से पहले जो मर चुके हैं, उनकी
मुक्ति कैसे होगी?

इसलिए पहला वाचा पुराना और अप्रचलित हो गया, और दूसरा नया हो गया, जैसा इब्रानियों 8:13 में लिखा है:

इब्रानियों 8:13
“नया वाचा कह कर उसने पहला वाचा पुराना घोषित किया; और जो पुराना और अव्यवहार्य होता है वह समाप्त हो जाने वाला है।”

‘पुराना’ का अर्थ है ‘अप्रचलित’। इसलिए नया वाचा आने के बाद पहला वाचा पुराना और निरस्त हो गया।

इसलिए वे लोग जो यीशु से पहले पुराने वाचा के तहत थे, उन्हें भी संत माना जाता है, जैसे आज हम नए वाचा में हैं। इसीलिए मूसा, एलियाह, हेनोक, अब्राहम, दाऊद, दानिय्येल आदि को विश्वास के नायकों में गिना जाता है, जबकि वे बपतिस्मा नहीं लिए थे और न ही मसीह को जानते थे।

परंतु प्रभु यीशु के आने और उनके रक्त के बहने के बाद, जो भी व्यक्ति पैदा होगा, उसे नया वाचा स्वीकार करना होगा। जो पुराना वाचा पर भरोसा करेगा, वह उद्धार नहीं पा सकेगा।

इसलिए हमें नए वाचा और उसके सिद्धांतों को अच्छी तरह समझना

प्रश्न: प्रभु यीशु के आने से पहले जो मर चुके हैं, उनकी
मुक्ति कैसे होगी?

चाहिए। यदि हम केवल पुराने वाचा के लोगों को देखें, बिना नए वाचा के ज्ञान के, तो हम गलत निष्कर्ष निकाल सकते हैं। उदाहरण के लिए दाऊद: उनका हृदय परमेश्वर को प्रिय था, परन्तु उनके कई पत्नी थीं, और वे शत्रुओं से प्रतिशोध भी लेते थे। हमें उनके विश्वास और नम्रता से सीखना चाहिए, लेकिन नया वाचा कई बातों को मना करता है – जैसे कि एक से अधिक पत्नियों को रखना और प्रतिशोध लेना। यीशु, जो नए वाचा के महान पुरोहित हैं (इब्रानियों 9:15, 12:24), ने स्पष्ट कहा:

मत्ती 19:4
“क्या तुम ने पढ़ा नहीं कि जिसने उन्हें बनाया है उसने
उन्हें पुरुष और स्त्री बनाया?”

और उन्होंने कहा:

मत्ती 5:38-39
“तुम ने सुना है कि कहा गया, आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत। लेकिन मैं तुम से कहता हूँ कि बुरे को प्रतिकार न करो, बल्कि अगर कोई तुम्हारे दाहिने गाल पर प्रहार करे तो अपना दूसरा गाल भी प्रस्तुत करो।”

प्रश्न: प्रभु यीशु के आने से पहले जो मर चुके हैं, उनकी
मुक्ति कैसे होगी?

प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दे।

मरानथा!

कृपया इस संदेश को दूसरों के साथ भी साझा करें।

प्रार्थना, सलाह या प्रश्नों के लिए व्हाट्सएप पर संपर्क करें: नीचे टिप्पणी बॉक्स में लिखें या इस नंबर पर कॉल करें: +91 (या +255) 789001312 / +91 (या +255) 693036618

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp